टिप्पणी

# 10

# बैंक समाधान विवरण

आप बैंक में एक खाता खोलते हैं जिसमें समय-समय पर राशि को जमा करते हैं तथा निकालते हैं। आप अपने पास इन जमा तथा निकालने का ब्यौरा रखते हैं। एक दिन आप बैंक द्वारा जारी की गई पास बुक का अद्यतन (update) करवाते हैं तथा यह जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि पास बुक द्वारा दर्शाया गया शेष तथा आपके लेखे में दर्शाये शेष में अंतर है। ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे? यह स्पष्ट है कि आप दोनों विवरणों की तुलना करेंगे तथा उस मद को खोजेंगे जिसका कि एक विवरण में लेखा किया जा चुका है और दूसरे में नहीं। इस प्रकार यह स्थिति एक व्यावसायिक संस्थान में भी उत्पन्न हो सकती है, जो कि किसी बैंक खाते का परिचालन करता है। व्यावसायिक संस्थान अपने बैंक से संबंधित सभी लेन-देनों का अपनी बैंक स्तंभीय रोकड़ बही में लेखा करते हैं। एक विशेष तिथि को बैंक स्तंभीय रोकड़ बही द्वारा दर्शाया गया बैंक शेष तथा पास बुक द्वारा दर्शाया गया शेष समान होना चाहिये। लेकिन यदि दोनों में कोई अंतर पाया जाता है तो व्यावसायिक संस्थान अंतर के समाधान के लिये उसके कारणों को ढूँढ़ता है। इस पाठ में आप अंतर के कारणों के सम्बन्ध में जानेंगे तथा बैंक समाधान विवरण तैयार करना सीखेंगे।

## उद्देश्य

*इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप :*

- बैंक समाधान विवरण का अर्थ तथा इसे बनाने की आवश्यकता को जान सकेंगे;
- रोकड़ बही तथा पास बुक के शेषों में अंतर के कारणों का वर्णन कर सकेंगे;
- बैंक समाधान विवरण तैयार कर सकेंगे।

टिप्पणी

## 10.1 बैंक समाधान विवरण—अर्थ तथा आवश्यकता

व्यावसायिक संस्थान रोकड़ तथा बैंक से संबंधित लेन-देनों का लेखा करने के लिए रोकड़ बही तैयार करते हैं। रोकड़ बही, रोकड़ खाता, तथा बैंक खाता दोनों उद्देश्य से तैयार की जाती है। यह एक अवधि की समाप्ति पर दोनों का शेष दर्शाती है। बैंक भी प्रत्येक ग्राहक के लिए अपनी लेखा पुस्तकों में खाते तैयार करते हैं। ग्राहक द्वारा सभी प्रकार की जमा इन खातों के जमा पक्ष में, तथा सभी आहरणों को इन खातों के नाम पक्ष में लिखा जाता है। इस खाते की एक प्रति बैंक द्वारा ग्राहक को नियमित रूप से भेजी जाती है। इसे पास बुक अथवा बैंक विवरण कहते हैं। सामान्यतः फर्म के बैंक से लेन-देनों, जिनका लेखा बैंक ने किया है, का फर्म की रोकड़ बही के साथ मिलान किया जाता है। लेकिन कभी-कभी रोकड़ बही में दर्शाया गया शेष और पास बुक/बैंक विवरणों में दर्शाया गया शेष समान नहीं होता। यदि पास बुक में दर्शाया गया शेष तथा बैंक स्तंभीय रोकड़ बही में दर्शाये गये शेष में कुछ अंतर पाया जाता है तो व्यावसायिक संस्थान इनमें पाये जाने वाले अंतर के कारणों की पहचान करते हैं। इनके अंतर का समाधान करना आवश्यक हो जाता है। रोकड़ बही तथा पास बुक के शेष के बीच पाये जाने वाले अंतर का समाधान करने के लिए जो विवरण तैयार किया जाता है, वह बैंक समाधान विवरण कहलाता है। यह भी कहा जा सकता है कि

> ***किसी दी गई तिथि को रोकड़ बही के बैंक स्तंभ शेष तथा पास बुक के शेष में पाये जाने वाले अंतर के मिलान के लिए एक विवरण तैयार किया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते है।***

### बैंक समाधान विवरण तैयार करने की आवश्यकता

न तो बैंक समाधान विवरण बनाना अनिवार्य है तथा न ही इन्हें तैयार करने के लिए कोई तिथि निश्चित होती है। यह एक व्यापारी द्वारा उसकी रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में तथा बैंक द्वारा अपनी खाता बही में बैंक से संबंधित लेन देनों की पर्याप्त जाँच करने के लिए समय-समय पर तैयार किये जाते हैं। इस प्रकार से यह रोकड़ बही द्वारा दर्शाये बैंक शेष तथा बैंक विवरणों द्वारा दर्शाये शेष में पाये जाने वाले अंतर के समाधान हेतु तैयार किए जाते हैं। यह एक निश्चित तिथि को, यदि लेन-देन में कोई त्रुटि हुई हो तो उसकी खोज में तथा सही बैंक शेष के निर्धारण में सहायता प्रदान करते हैं।

### पाठगत प्रश्न 10.1

*रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द भरिये :*

i. बैंक में ग्राहक के खातों की प्रति ..... कहलाती है।

टिप्पणी



ii. संग्रह हेतु जमा चैकों का प्रलेखन रोकड़ बही के बैंक स्तंभ के .....की ओर किया जाएगा।

iii. रोकड़ बही तथा पास बुक द्वारा दर्शाए गए बैंक शेष के .....के लिए बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है।

iv. निर्गमित किये चैकों की खतौनी, रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में ..... की और की जाती है।

v. यदि कोई अंतर ना हो तो पास बुक का जमा पक्ष रोकड़ बही के ..... के समान तथा पास बुक का नाम स्तंभ, रोकड़ बही के ..... स्तंभ के समान होना चाहिए।

## 10.2 अंतर के कारण

जब एक व्यापारी, अपनी रोकड़ बही के बैंक शेष की बैंक पास बुक के शेष से तुलना करता है तो कई बार उनमें अन्तर होता है। यदि रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में लिखे गये लेन देनों की समयावधि तथा बैंक पास बुक की खतौनी की समयावधि, दोनों के मध्य कुछ अंतर उत्पन्न हो तो उनमें अन्तर आ ही जायेंगे।

रोकड़ बही के शेष तथा पास बुक के शेष के मध्य पाये जाने वाले अंतर के कारण निम्नलिखित हैं:–

i. **फर्म के द्वारा निर्गमित चैक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए हैं :** जब फर्म के द्वारा चैकों को निर्गमित किया जाता है, तो इनकी प्रविष्टि तुरंत ही रोकड़ बही के बैंक स्तंभ के जमा की ओर कर दी जाती है। कभी-कभी चैक प्राप्त करने वाला व्यक्ति इन्हें बैंक में भुगतान हेतु कुछ समय बाद प्रस्तुत करता है। बैंक फर्म के खाते को इनके भुगतान पर नाम करेगा। यहां चैक के निर्गमित होने और उनके बैंक में भुगतान होने के मध्य कुछ समयावधि होती है। यह रोकड़ बही तथा पास बुक के शेषों में अंतर का कारण हो सकता है।

ii. **बैंक में जमा किये गए चैक परंतु अभी तक संग्रहित नहीं हुए :** जब चैक वसूली हेतु बैंक में जमा करवाते हैं, तो फर्म उसी दिन उन चैकों की रकम रोकड़ बही में बैंक स्तंभ के नाम की ओर लिख देती है। इससे रोकड़ बही का बैंक शेष बढ़ जाता है, लेकिन बैंक इन चैको को फर्म के खातों में उस समय जमा करता है, जब चैक वास्तव में वसूल हो जाते हैं। जो चैक उसी नगर के होते हैं उनका रुपये प्राप्त करने में भी कुछ दिन लग जाते हैं, यदि चैक दूसरे नगरों के होते हैं तो उनका भुगतान प्राप्त करने में कई दिन लग जाते हैं। यह भी रोकड़ बही तथा पास बुक के शेष में अंतर का एक कारण हो सकता है।

टिप्पणी

**iii. किसी राशि का बैंक खाते में सीधे जमा करवाना :** कभी-कभी देनदार या ग्राहक किसी राशि को फर्म के बैंक खाते में सीधा जमा करवा देते हैं, लेकिन फर्म को यह जानकारी बैंक विवरण के प्राप्त होने पर ही होती है। इस स्थिति में बैंक फर्म के खातों को प्राप्त राशि से जमा करेगा लेकिन इस राशि की उसी समय रोकड़ बही में प्रविष्टि नहीं की गई। परिणामस्वरूप रोकड़ बही का शेष पास बुक द्वारा दर्शाये शेष में अंतर हो सकता है।

**iv. बैंक व्यय :** बैंक समय-समय पर अपने ग्राहकों के खाते से उनको दी गई अपनी सेवाओं के बदले में शुल्क या कमीशन के रूप में कुछ राशि फर्म को बिना किसी पूर्व सूचना के वसूल करता है। फर्म इन व्ययों का, बैंक की सूचना या विवरण प्राप्त होने पर ही अभिलेखन करेगी। इस प्रकार की कटौती का उदाहरण है अधिविकर्ष शेष पर ब्याज, जमा कार्ड (Credit Card) शुल्क, दूसरे नगर के चैक की वसूली, व्यय, इत्यादि। परिणामस्वरूप, रोकड़ बही का शेष पास बुक के शेष से ज्यादा हो जाएगा।

**v. बैंक द्वारा ब्याज या लाभांश की प्राप्तिः** कभी-कभी खाताधारक के खाते में अंशों पर लाभांश या ऋणपत्रों पर प्राप्त ब्याज को कंपनी द्वारा इलैक्ट्रोनिक समाशोधन पद्धति द्वारा सीधे जमा करवा दिया जाता है परंतु फर्म को इसकी सूचना बैंक से विवरणों की प्राप्ति पर ही होती है। परिणामस्वरूप फर्म इसकी प्रविष्टियाँ अपनी रोकड़ बही में बैंक द्वारा किसी तिथि को की गई प्रविष्टियों के बाद ही करेगी। परिणामस्वरूप रोकड़ बही तथा पास बुक के शेषों में अंतर पाया जाएगा।

**vi. बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से सीधे भुगतान करना :** कभी-कभी बैंक अपने ग्राहकों के आदेश के अनुसार उनकी ओर से कुछ मदों का सीधे भुगतान कर देता है। टेलिफोन बिल, किराया, बीमा प्रीमियम, कर इत्यादि इन व्ययों के कुछ उदाहरण हैं। इन खर्चों को बैंक द्वारा सीधा भुगतान कर दिया जाता है तथा फर्म के खातों में भुगतान के तुरंत बाद नाम कर दिया जाता है। लेकिन फर्म इनका अभिलेखन बैंक से प्राप्त पास बुक या बैंक विवरण से प्राप्त सूचनाओं के पश्चात् करेगी। परिणामस्वरूप पास बुक का शेष रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में दर्शाये गए शेष से कम होगा।

**vii. चैक या भुनाए गये बिल का अनादरित होना :** यदि फर्म द्वारा भुनाने के लिए जमा करवाया चैक या प्राप्य बिल अनादरित हो जाता है तो इस राशि से फर्म के खाते को बैंक द्वारा नाम कर दिया जाएगा। लेकिन फर्म अपने खातों में प्रविष्टियाँ बैंक से सूचना प्राप्त होने के पश्चात् ही करेगी। परिणामस्वरूप, रोकड़ बही में दर्शाया गया शेष, पास बुक में दर्शाये गये शेष से भिन्न होगा।

टिप्पणी



**viii. फर्म द्वारा लेन-देनों के अभिलेखन में की गई गलतियाँ :** यहाँ फर्म की ओर से भी अशुद्धियां हो सकती हैं। जैसे कि चैक जमा करना तथा चैक निर्गमन करने से संबंधित लेनदेनों को भूल जाना अथवा गलत रूप में अभिलेखित करना तथा गलत शेष लिखना इत्यादि हो सकती हैं। इस स्थिति में रोकड़ बही द्वारा दर्शाया गया शेष पास बुक द्वारा दर्शाये गए शेष से भिन्न होगा।

**ix. बैंक द्वारा लेन-देन की गलत प्रविष्टियां होने पर :** कभी-कभी बैंक भी चैक जमा होने के संबंध मे लेन देनों की प्रविष्टियों में भूल कर सकता है तथा गलत अभिलेखन कर सकता है। परिणामस्वरूप रोकड़ बही का शेष तथा पास बुक का शेष नहीं मिलेगा।

## पाठगत प्रश्न 10.2

***नीचे कुछ विवरण दिए गये हैं। इनमें से कुछ विवरण सत्य हैं तथा कुछ विवरण असत्य हैं। सत्य के लिए 'सही' तथा 'असत्य' के लिए गलत लिखिए।***

i. बैंक फर्म के खातों को फर्म से चैक प्राप्त होने के तुरंत बाद जमा कर देता है।

ii. बैंक व्ययों को रोकड़ बही में नहीं दर्शाया जाता।

iii. बैंक ग्राहक की ओर से दिशा–निर्देश पर, कुछ भुगतान सीधे कर देता है।

iv. यदि चैक का निर्गमन किया गया हो परंतु इनका भुगतान नहीं हो तो पास बुक का शेष, रोकड़ बही के शेष से कम होगा।

v. किसी ग्राहक द्वारा सीधे बैंक में जमा पर पास बुक का शेष बढ़ जाएगा।

## 10.3 बैंक समाधान विवरण को तैयार करना

पास बुक द्वारा दर्शाये गए शेष को रोकड़ बही के दर्शाये गये शेष से मिलान करने के लिए बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है। अंतर के कारणों की पहचान करने के पश्चात्, रोकड़ बही में परिवर्तन किये बिना बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है।

बैंक समाधान विवरण बनाते समय शेषों के सम्बंध में हमारे समक्ष नीचे दी गई विभिन्न स्थितियाँ हो सकती हैं:

### 1. अनुकूल शेष

(अ) रोकड़ बही का नाम शेष दिये जाने पर पास बुक के शेष का निर्धारण करना।

(ब) पास बुक का जमा शेष दिये जाने पर रोकड़ बही के शेष का निर्धारण करना।

टिप्पणी

## 2. प्रतिकूल शेष/अधिविकर्ष शेष

(अ) रोकड़ बही का जमा शेष (अधिविकर्ष) दिया हो तो पास बुक के शेष का निर्धारण करना।

(ब) पास बुक का नाम शेष (अधिविकर्ष) दिया हो तो रोकड़ बही के शेष का निर्धारण करना

बैंक समाधान विवरण तैयार करने के लिए निम्न कदम उठाने होंगे :

**अनुकूल शेष :** जब रोकड़ बही का नाम शेष या पास बुक का जमा शेष दिया हो :

(अ) प्रारंभ में एक शेष लें, जैसे कि रोकड़ बही में दिया शेष।

(ब) सभी लेनदेनों, को जो कि पास बुक के शेष में वृद्धि का कारण होते हैं, को जमा कर दें।

(स) सभी लेनदेनों, जो कि पास बुक के शेष में कमी लाते हैं, को घटाएं।

(द) अब शुद्ध शेष जो कि विवरण द्वारा दर्शाया जाएगा, पास बुक के शेष के समान होना चाहिए।

यदि प्रारंभ में पास बुक शेष लिया गया है तो सभी लेनदेन, जो कि रोकड़ बही में वृद्धि का कारण होते हैं, को जोड़ा जाएगा और सभी लेनदेन, जो कि रोकड़ बही में कमी का कारण होते हैं, को घटाया जाएगा। अब शुद्ध शेष जो कि विवरण के द्वारा दर्शाया जाएगा, रोकड़ बही के शेष के समान होना चाहिए।

दिया गया उदाहरण रोकड़ बही तथा पास बुक के अनुकूल दिये गए शेष के व्यवहार को समझने में सहायक होगा।

### उदाहरण 1

मैसर्स अनन्या इन्डस्ट्रीज के दिए गये विवरणों से 31 दिसंबर, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

1. रोकड़ बही द्वारा दर्शाया बैंक शेष ₹ 32,500
2. बैंक में ₹ 8,900 के चैक जमा करवाये परंतु 31 दिसंबर, 2014 तक खाते में जमा नहीं हुये।
3. ₹ 12,500 के चैक निर्गमित किए जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
4. इलैक्ट्रोनिक समाशोधन पद्धति द्वारा बैंक ने ₹ 5,000 का लाभांश जमा किया।
5. बैंक द्वारा ₹ 400 का शुल्क नाम किया गया।

टिप्पणी

**हल**

**मै. अनन्या इंडस्ट्रीज का बैंक समाधान विवरण**
***31 दिसंबर, 2014 को***

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. रोकड़ बही के अनुसार शेष | 32,500 | |
| 2. संग्रहण हेतु भेजे चैक जिनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ | | 8,900 |
| 3. निर्गमित चैक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए | 12,500 | |
| 4. इलैक्ट्रानिक समाशोधन पद्धति के माध्यम से लाभांश प्राप्ति | 5,000 | |
| 5. बैंक द्वारा बैंक शुल्क नाम किए | | 400 |
| पास बुक के अनुसार शेष | | 40,700 |
| | **50,000** | **50,000** |

**उदाहरण 2**

उदाहरण 1 में दिये गये आंकड़ों की सहायता से, पास बुक का आरंभिक शेष ₹ 40,700 लेते हुए बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

**हल**

**मै. अनन्या इन्डस्ट्रीज का बैंक समाधान विवरण**
***31 दिसंबर, 2014 को***

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. पास बुक के अनुसार शेष | 40,700 | |
| 2. संग्रहण के लिए भेजे गए चैक जिनका बैंक को भुगतान प्राप्त नहीं हुआ | 8,900 | |
| 3. निर्गमित चैक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए | | 12,500 |
| 4. इलैक्ट्रानिक समाशोधन पद्धति के माध्यम से लाभांश प्राप्ति | | 5,000 |

टिप्पणी

| | | |
|---|---|---|
| 5. बैंक शुल्क नाम किये | 400 | |
| रोकड़ बही के अनुसार शेष | | 32,500 |
| | **50,000** | **50,000** |

**उदाहरण 3**

रीमा ट्रेडर्स के विवरणों की सहायता से 30 जून, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

1. रोकड़ बही के अनुसार शेष ₹ 35,750।
2. बैंक द्वारा ₹ 250 क्रेडिट कार्ड शुल्क नाम किया गया लेकिन रोकड़ बही में इसका लेखा नहीं किया गया।
3. ₹ 7,550 के चैक बैंक में संग्रहण हेतु भेजे गए लेकिन अभी तक उनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ।
4. भुनाए गये बिल के अनादरित होने के संबंध में पास बुक में ₹ 3,500 को नाम किया गया।

**हल**

**मै. रीमा ट्रेडर्स का बैंक समाधान विवरण**
***30 जून, 2014 को***

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. रोकड़ बही के अनुसार शेष | 35,750 | |
| 2. संग्रहण हेतु भेजे गए चैक जिनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ | | 7,550 |
| 3. बैंक द्वारा क्रेडिट कार्ड शुल्क नाम किया गया | | 250 |
| 4. भुनाया गया अनादरित बिल जो कि केवल पास | | 3,500 |
| बुक में अभिलेखित हुए पास बुक के अनुसार शेष | | 24,450 |
| | **35,750** | **35,750** |

**उदाहरण 4**

मैसर्ज ब्रह्म इन्डस्ट्रीज की बैंक पास बुक द्वारा 31 जुलाई, 2014 को दर्शाया गया शेष ₹ 27,350 है। इस तिथि को रोकड़ बही तथा पास बुक के शेष में निम्न अंतर पाया गया।

टिप्पणी



1. ₹ 19,000 के चैक 31 जुलाई 2014 से पहले निर्गमित किये गये लेकिन उनको भुगतान के लिये प्रस्तुत नहीं किया गया।
2. ₹ 5,000 तथा ₹ 3,500 के दो चैक बैंक में संग्रहण हेतु 31 जुलाई को भेजे गए लेकिन बैंक ने यह राशि खाते में अगस्त में जमा की।
3. बैंक द्वारा ₹ 5,000 के बीमा प्रीमियम का भुगतान किया गया।
4. बैंक द्वारा फर्म के खाते को गलती से ₹ 2,000 से नाम किया गया।

31 जुलाई, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

**हल**

**मैसर्स ब्रह्म इन्डस्ट्रीज का बैंक समाधान विवरण**
***जुलाई 31, 2014 को***

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. पासबुक के अनुसार शेष | 27,350 | |
| 2. निर्गमित चैक जिनको भुगतान के लिये प्रस्तुत नहीं किया गया | | 19,000 |
| 3. बैंक में चैक जमा किए लेकिन अगस्त में संग्रहित | 8,500 | |
| 4. बैंक द्वारा सीधे बीमा प्रीमियम का भुगतान | 5,000 | |
| 5. बैंक द्वारा गलती से नाम किया | 2,000 | |
| रोकड़ बही के अनुसार शेष | | 23,850 |
| | **42,850** | **42,850** |

## पाठगत प्रश्न 10.3

***आपको पास बुक का आरंभिक शेष दिया हो और रोकड़ बही का शेष निर्धारित करना हो तो, दिये गये लेन देनों के संबंध में, वह राशि जो कि पास बुक के शेष में जोड़ी जाएगी, उसके आगे 'ज' लिखिये और जिसके द्वारा पास बुक के शेष में कमी आएगी उसके आगे 'घ' लिखिये***

i. बैंक द्वारा देय ब्याज

ii. संग्रहण हेतु बैंक भेजे गए चैक का अनादरित हो जाना

टिप्पणी

iii. निर्गमित चैक लेकिन भुगतान नहीं हुआ

iv. बैंक व्यय

v. बैंक द्वारा बीमा प्रीमियम का भुगतान किया

vi. अंशों पर लाभांश की प्राप्ति

## 10.4 प्रतिकूल शेष/अधिविकर्ष शेष

कभी-कभी एक व्यापारी द्वारा उसके बैंक से अपने खाते की राशि से ज्यादा राशि निकाल ली जाती है और महीने के अंत में बैंक का नाम शेष होता है। यह शेष, पास बुक का 'अधिविकर्ष शेष' कहलाता है। यह रोकड़ बही में जमा शेष होगा।

### रोकड़ बही के अनुसार जमा शेष/पास बुक के अनुसार नाम शेष

अधिविकर्ष शेष को विवरण में घटा स्तंभ की ओर आरंभिक/शेष बिंदू के रूप में दर्शाया जाता है। अन्य प्रक्रिया पूर्व की भांति रहेगी।

नीचे दिया गया उदाहरण रोकड़ बही तथा पास बुक के प्रतिकूल शेष होने पर इनका व्यवहार समझने में सहायक होगा।

### उदाहरण 5

31 दिसंबर 2014 को मैसर्स मोना प्लास्टिक्स की रोकड़ बही ₹ 6,500 जमा शेष दर्शाती है। ₹ 3,500 के चैक बैंक में संग्रहण हेतु भेजे गये पर इनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। फर्म ने ₹ 1,000 के चैक का निर्गमन किया जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये। पास बुक में ₹ 200 ब्याज तथा ₹ 400 बैंक शुल्क के रूप में नाम किऐ गए। बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

### हल

**मैसर्स मोना प्लास्टिक्स का बैंक समाधान विवरण**
**31 दिसंबर 2014 को**

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. रोकड़ बही के अनुसार शेष | | 6,500 |
| 2. निर्गमित चैक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किये गये | 1,000 | |
| 3. संग्रहण हेतु बैंक में भेजे गए चैक लेकिन बैंक को भुगतान प्राप्त नहीं हुआ | | 3,500 |

टिप्पणी

| | | |
|---|---|---|
| 4. बैंक शुल्क | | 600 |
| बैंक पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष शेष | 9,600 | |
| | **10,600** | **10,600** |

**उदाहरण 6**

दी गई सूचनाओं से मै. आशिमा ट्रेवल्स का बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए :

31 जुलाई, 2014 को रोकड़ बही द्वारा दर्शाया गया अधिविकर्ष ₹ 45,000 था।

₹ 17,500 के चैक का निर्गमन किया गया लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

संग्रहण हेतु ₹ 9,600 के चैक बैंक में भेजे गए लेकिन उनका भुगतान बैंक को प्राप्त नहीं हुआ।

बैंक द्वारा विनियोगों पर ₹ 2,300 का ब्याज इक्ट्ठा किया गया।

बैंक द्वारा ₹ 350 व्यय के रूप में नाम किये गए लेकिन अभी तक रोकड़ बही में इनकी प्रविष्टि नहीं की गई।

**हल**

**मैसर्स आशिमा ट्रैवल्स का बैंक समाधान विवरण**
**31 जुलाई 2014 को**

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. रोकड़ बही द्वारा अधिविकर्ष | | 45,000 |
| 2. निर्गमित चैक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए | 17,500 | |
| 3. संग्रहण के लिए बैंक में भेजे गए चैक जिनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ | | 9,600 |
| 4. बैंक द्वारा विनियोगों पर प्राप्त ब्याज | 2,300 | |
| 5. बैंक शुल्क | | 350 |
| पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष | 35,150 | |
| | **54,950** | **54,950** |

**उदाहरण 7**

नेहा एण्ड कंपनी के दिये गये विवरणों से 31 मार्च, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

टिप्पणी

| | ₹ |
|---|---|
| पास बुक द्वारा दर्शाया अधिविकर्ष | 16,500 |
| अधिविकर्ष पर ब्याज | 1,600 |
| बैंक द्वारा बीमा प्रीमियम का भुगतान | 800 |
| संग्रहण हेतु भेजे गए चैक लेकिन अभी तक जमा नहीं हुए | 5,500 |
| निर्गमित किए गए चैक परन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुये | 6,000 |
| बैंक द्वारा फर्म के खाते में गलती से जमा | 1,000 |

**हल**

**मैसर्स नेहा एण्ड कंपनी का बैंक समाधान विवरण**

***मार्च 31, 2014 को***

| *विवरण* | *जमा (+) राशि (₹)* | *घटा (–) राशि (₹)* |
|---|---|---|
| 1. पासबुक द्वारा दर्शाया अधिविकर्ष | | 16,500 |
| 2. अधिविकर्ष पर ब्याज | 1,600 | |
| 3. बैंक द्वारा बीमा प्रीमियम का भुगतान | 800 | |
| 4. संग्रहण हेतु भेजे गए चैक परन्तु जमा नहीं हुए | 5,500 | |
| 5. निर्गमित चैक लेकिन भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुए | – | 6,000 |
| 6. बैंक द्वारा गलत जमा | | 1,000 |
| रोकड़ बही द्वारा अधिविकर्ष | 15,600 | |
| | **23,500** | **23,500** |

## पाठगत प्रश्न 10.4

***दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :***

i. अधिविकर्ष का आशय है ..... शेष। (अनुकूल/प्रतिकूल)

ii. अधिविकर्ष की स्थिति में रोकड़ बही का ..... शेष होगा। (नाम/जमा)

iii. रोकड़ बही के अधिविकर्ष होने पर बैंक शुल्क में ..... होगी। (वृद्धि/कमी)

टिप्पणी



iv. निर्गमित चैक जिनका भुगतान नहीं हुआ है, पासबुक के अधिविकर्ष शेष में ..... करेंगे। (वृद्धि/कमी)

v. बैंक द्वारा दिए गए ब्याज को रोकड़ बही के अनुकूल शेष में .....। (जोड़ेंगे/घटाएंगे)

## आपने क्या सीखा

- बैंक समाधान विवरण किसी निश्चित तिथि को रोकड़ बही एवं पास बुक के शेष में पाए जाने वाले अन्तर के मिलान हेतु तैयार किए गए विवरण है।
- ऐसे अनेक कारण हैं जिनसे पास बुक के शेष तथा रोकड़ बही के शेष में अंतर पाया जाता है। यह इस प्रकार हैं :
  - * निर्गमित किए गए चैक जिनकी भुगतान हेतु प्रस्तुति नहीं हुई।
  - * बैंक में भेजे गए चैक जिनका संग्रहण नहीं हुआ।
  - * राशि बैंक खाते में सीधे जमा की गई।
  - * बैंक शुल्क।
  - * बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज तथा लाभांश।
  - * ग्राहक की ओर से बैंक द्वारा सीधा भुगतान।
  - * चैक/भुनाए गए बिल का अनादरित हो जाना।
  - * फर्म के द्वारा लेन-देनों के प्रलेखन में अशुद्धि होने पर
  - * बैंक के द्वारा लेन-देनों के प्रलेखन में अशुद्धि होने पर।
- बैंक समाधान विवरण तैयार करने की विभिन्न स्थितियां इस प्रकार हैं :

**अनुकूल शेष**

(अ) रोकड़ बही का नाम शेष दिया हो और पासबुक के शेष का निर्धारण करना।

(ब) पासबुक का जमा शेष दिया होने पर रोकड़ बही के शेष का निर्धारण करना।

**प्रतिकूल शेष**

(अ) रोकड़ बही का जमा शेष (अधिविकर्ष) दिया होने पर पासबुक के शेष का निर्धारण करना।

(ब) पासबुक का नाम शेष (अधिविकर्ष) दिया होने पर रोकड़ बही के शेष का निर्धारण करना।

टिप्पणी

## पाठान्त प्रश्न

1. बैंक समाधान विवरण क्या है?
2. बैंक समाधान विवरण बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?
3. रोकड़ बही तथा पास बुक के शेषों में पाए जाने वाले अन्तरों को गिनाइए।
4. दी गई सूचनाओं से 31 दिसंबर, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए
   (i) रोकड़ बही का शेष ₹ 4,200।
   (ii) ₹ 2,000 के चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
   (iii) ₹ 3,000 के चैक संग्रहण हेतु भेजे गए लेकिन जमा नहीं किए गए।
   (iv) बैंक द्वारा ₹ 250 के व्यय नाम किए गए।
5. 31 मार्च, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए। इस तिथि को मैसर्स नुपुर इंडस्ट्रीज की पास बुक के द्वारा ₹ 27,500 का शेष दर्शाया गया।
   (i) ₹ 14,000 के चैक एक ग्राहक द्वारा सीधे बैंक में जमा करवाए गए।
   (ii) ₹ 13,500 के चैक मार्च के महीने के दौरान निर्गमित किए गए लेकिन इनमें से ₹ 1,500 के चैक मार्च के महीने के दौरान प्रस्तुत नहीं हुए।
   (iii) बैंक ने ₹ 2,500 का अंशों पर लाभांश का संग्रहण किया।
   (iv) ₹ 1,7500 के चैक बैंक में संग्रहण के लिए भेजे गए लेकिन इनमें से ₹8,500 के चैक अप्रैल के महीने में जमा हुए।
6. 1 अप्रैल, 2014 को रोहन की रोकड़ बही द्वारा दर्शाया गया अधिविकर्ष ₹ 16,000 था। ₹ 6,000 के चैक बैंक में संग्रहण हेतु भेजे गए लेकिन इस तिथि तक इनका संग्रहण नहीं हुआ। रोहन ने ₹ 8,000 के चैक निर्गमित किए लेकिन बैंक को इनका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। यहां पासबुक में ब्याज के ₹ 500 तथा ₹ 200 बैंक शुल्क के रूप में नाम किए गए।

   एक चैक, जिसका मूल्य ₹ 5,000 था, बैंक को भेजा गया लेकिन उसे रोकड़ बही में दो बार नाम किया गया। 1 अप्रैल 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।
7. मैसर्स मोहित ट्रेडर्स की पासबुक द्वारा दर्शाया गया अधिविकर्ष ₹ 40,000 था। 31 दिसंबर, 2014 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।
   (i) पासबुक द्वारा ₹ 1,000 बैंक शुल्क नाम किए गए।
   (ii) ग्राहक द्वारा सीधे ₹ 7,000 का भुगतान प्राप्त हुआ।
   (iii) ₹ 4,000 के चैक गलती से रोकड़ बही के नाम पक्ष में लिखे गये।

टिप्पणी

(iv) ₹ 9,800 के चैक निर्गमित किए गए लेकिन भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुए।

(v) ₹ 12,500 के चैक बैंक में भेजे गए लेकिन संग्रहित नहीं हुए।

(vi) बैंक द्वारा ₹ 3,500 बीमा प्रीमियम के भुगतान किये गये।

## पाठगत प्रश्नों के उत्तर

**10.1** (i) पासबुक, (ii) नाम पक्ष, (iii) समाधान, (iv) जमा, (v) नाम, जमा

**10.2** (i) गलत, (ii) गलत, (iii) सही, (iv) गलत, (v) सही

**10.3** (i) घ, (ii) ज, (iii) घ, (iv) ज, (v) ज, (vi) घ

**10.4** (i) प्रतिकूल, (ii) जमा, (iii) वृद्धि, (iv) कमी, (v) जमा

## पाठांत प्रश्नों के उत्तर

4. पास बुक के अनुसार शेष ₹ 2,950
5. रोकड बही के अनुसार शेष ₹ 9,500
6. पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 23,200
7. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 40,800

## क्रियाकलाप

आप जानते हैं कि व्यवसायी अपने बैंक खाते को अद्यतन (update) कराने के लिये बैंक में जाते हैं। किसी भी बैंक में जायें तथा बैंक अधिकारी से जानकारी प्राप्त करें कि मदों के सम्बन्ध में सामान्यतः उन्हें क्या-क्या विसंगतियाँ दिखाई देती हैं उन्होंने किन-किन मदों का अभिलेखन किया है अथवा नहीं किया है अथवा उनका उनके खातेदारों ने अभिलेखन किया है अथवा नहीं किया है। इन विसंगतियों की एक सूची तैयार कीजिए तथा उनके बैंक शेष पर प्रभाव को दर्शाइये।

| *क्र.सं.* | *बैंक शेष/तथा ग्राहक द्वारा अपेक्षित शेष के बीच विसंगति वास्तविक अन्तर के कारण* | *खातों पर प्रभाव* | |
|---|---|---|---|
| | | *जमा* | *घटा* |
| 1. | | | |
| 2. | | | |